पाठ्यक्रम के प्रकार (Various Types of Curriculum)→

1- विषय-केन्द्रित पाठ्यक्रम (Subject-Centred Curriculum)→

विषय-केन्द्रित पाठ्यक्रम उस पाठ्यक्रम को कहते हैं जो बालकों की अपेक्षा विषयों को अधिक महत्व दिया जाता है। इस प्रकार के पाठ्यक्रम में पुस्तकों को विशेष महत्व होता है। इसलिए इस पाठ्यक्रम को "पुस्तक केन्द्रित पाठ्यक्रम" भी कहते हैं। हमारे देश में इसी प्रकार का पाठ्यक्रम प्रचलित है।

हानि→ ① इसके अन्तर्गत बालकों की रुचियों, आवश्यकताओं तथा योग्यताओं का ध्यान नहीं रखा जाता है।
② यह कठोर होता है।
③ इसके द्वारा बालक का सर्वांगीण विकास नहीं किया जा सकता है।
④ इसके द्वारा बालकों में जनतान्त्रिक भावनाओं का विकास नहीं किया जा सकता है।
⑤ यह पाठ्यक्रम बालकों में रटने की आदत एवं परीक्षा पर ही बल देता है।

लाभ→ ① यह आसानी से समझ में आ जाता है।
② इस पाठ्यक्रम में उद्देश्य स्पष्ट होता है।
③ इसमें आसानी से परिवर्तन किया जा सकता है।
④ इसकी विषय वस्तु पहले से ही निश्चित होती है जिससे शिक्षक एवं बालक दोनों को पहले से ही पता रहता है। कि उन्हें क्या-क्या पढ़ना है अथवा कैसे-कैसे पढ़ना है।
⑤ यह एक निश्चित सामाजिक तथा शैक्षिक विचारधारा पर आधारित होता है।

Scanned with DocScan

(6) इसके द्वारा विभिन्न विषयों में सह-सम्बंध स्थापित किया जा सकता है।
(7) इसके द्वारा परीक्षा लेने में भी आसानी होती है।

2-अनुभव-केन्द्रित पाठ्यक्रम (Experience-centred curriculum) →

अनुभव-केन्द्रित पाठ्यक्रम में बालक के विकास हेतु अनुभवों को विशेष महत्व दिया जाता है। यह पाठ्यक्रम विषयों की अपेक्षा अनुभवों पर आधारित होता है।

हानि (Disadvantage) →

(1) इसके अन्तर्गत शिक्षा का उद्देश्य स्पष्ट नहीं होता है।
(2) इसके प्रयोग में अधिक समय लगता है।
(3) अनुभव-केन्द्रित पाठ्यक्रम के ज्ञान का क्रम भी नहीं होता है।
(4) इसमें क्रियाओं और अनुभवों का निश्चित क्रम भी नहीं होता है।
(5) इस पाठ्यक्रम को क्रियान्वित करने के लिए अधिक धन की आवश्यकता होती है।
(6) अनुभव-केन्द्रित पाठ्यक्रम को सफल बनाने के लिए बुद्धिमान शिक्षकों की आवश्यकता होती है।
(7) इसके द्वारा बालकों की प्रगति का मूल्यांकन बहुत कठिन है।
(8) अनुभव-केन्द्रित पाठ्यक्रम के द्वारा विभिन्न अनुभवों का एक-दूसरे से सह-सम्बन्ध भी स्थापित नहीं किया जा सकता है।

Scanned with DocScan

लाभ (Advantage) →

① अनुभव-केन्द्रित पाठ्यक्रम बालकों की रुचियों, आवश्यकताओं तथा योग्यताओं से सम्बंध होता है।
② यह लचीली तथा प्रगतिशील होता है।
③ इसके द्वारा बालक का सर्वांगीण विकास सम्भव है।
④ यह भौतिक तथा सामाजिक वातावरण का अधिक से अधिक प्रयोग करता है।
⑤ इसका आधार भी जनतान्त्रिक होता है।
⑥ अनुभव-केन्द्रित पाठ्यक्रम द्वारा स्कूल और समाज में सम्बन्ध स्थापित किया जाता है।
⑦ यह बालकों की मानसिक, सृजनात्मक योग्यताएँ, नेतृत्व और अनुशासन का विकास करता है।

बाल-केन्द्रित पाठ्यक्रम (Child-centred Curriculum) →

बाल-केन्द्रित पाठ्यक्रम में विषयों की अपेक्षा बालक को मुख्य स्थान दिया जाता है, ऐसे पाठ्यक्रम का निर्माण बालक की विभिन्न अवस्थाओं की रुचियों, आवश्यकताओं, क्षमताओं तथा योग्यताओं के अनुसार किया जाता है जिससे उसके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता रहे। उदाहरण- मॉन्टेसरी, किन्डरगार्टन, योजना पद्धतियाँ आदि।

Scanned with DocScan